बड़े लोगों का बचपन

दलाई लामा

लगभग 50 साल पहले, चीनी प्रांत चिंगहाई में, एक गरीब तिब्बती दंपति रहता था, जिसके कई बच्चे थे, और उनमें से एक दो साल का लड़का भी था.

एक दिन उनके घर कुछ अजनबी आए. क्योंकि अजनबी नौकरों के भेष में आए थे, इसलिए उन्हें रसोई में आतिथ्य दिया गया. लेकिन जैसे ही छोटे लड़के ने उन्हें देखा, वो उनमें से एक के पास दौड़ा गया और उसने कहा: "सेरा लामा! सेरा लामा!" मालूम नहीं पर वो लड़का जानता था कि वे लोग नौकर नहीं थे, लेकिन सेरा के महत्वपूर्ण लामा (मठ के पवित्र पुरुष) थे, जो सैकड़ों मील दूर से आए थे.

अजनबियों ने बिना कुछ बताए अपनी चाय खत्म की और विनम्रता से चले गए. लेकिन शीघ्र ही वे वापस आए. अब वे लामाओं के लाल वस्त्र पहने थे, और वे अपने साथ कई वस्तुओं को लेकर आए थे.

माता-पिता की अनुमति से वे छोटे लड़के को एक तरफ ले गए. उन्हें कई महत्वपूर्ण परीक्षण करने थे. पहले, उन्होंने लड़के को चार मालाएँ, फिर कई ढोल और अंत में कुछ चलने वाली छड़ें दिखाई.

हर बार बच्चे ने बिना किसी झिझक के बाकियों में से किसी एक वस्तु को चुनी. वे सभी चीजें तिब्बत के 13वें दलाई लामा से संबंधित थीं. छोटे लड़के की पसंद से लामाओं ने वो साबित किया जिसका उन्हें पहले से ही संदेह था - कि वो छोटा लड़का उनके ईश्वर-राजा का पुनर्जन्म था, जिनकी मृत्यु चार साल पहले हो गई थी.

उन दिनों तिब्बत एक सुदूर, रहस्यमय देश था. वहां के लोग शांतिपूर्ण और गहरे धार्मिक थे, लेकिन मध्य युग के बाद से उनके जीवन में ज्यादा बदलाव नहीं आया था. लोगों का मानना था कि उनका प्रत्येक शासक उनके संरक्षक देवता, चेनरेज़ी का पुनर्जन्म होता था. शासक के पास कई उपाधियाँ थीं, लेकिन तिब्बत के बाहर सबसे प्रसिद्ध दलिया लामा (महासागर पुजारी) थे.

हर बार, छोटे लड़के ने वही वस्तु उठाई जो 13वें दलाई लामा की थी.

तिब्बतियों का मानना है कि जब प्रत्येक दलाई लामा की मृत्यु होती है, तो उनकी आत्मा कुछ समय बाद स्वर्ग से लौटती है, और एक नवजात बच्चे के शरीर में प्रवेश करती है. मंत्रियों का काम उस बच्चे को ढूंढना और उसे शासन करने के लिए प्रशिक्षित करना था.

13वें दलाई लामा की मृत्यु के तुरंत बाद उस बच्चे की खोज शुरू हो गई थी जो दलाई लामा के बाद शासन करेगा. अंत में, वर्षों तक भटकने के बाद, दूतों को वो लड़का मिल गया जो उन चीजों को जानता था, जिन्हें कोई आम लड़का नहीं जानता था. बड़े आनन्द के साथ, लड़के और उसके परिवार को राजधानी ल्हासा वापस ले जाया गया, और 1940 में, जब वो केवल पाँच वर्ष का था, तब नए दलाई लामा की घोषणा की गई.

एक छोटे लड़के के लिए वो एक अजीब जीवन था. क्योंकि वो एक देवता और भविष्य का राजा था, इसलिए सामान्य लोग उनकी ओर देखने की हिम्मत भी नहीं करते थे. जब सुनहरी कुर्सी पर उन्हें सड़कों पर ले जाया जाता तो सभी लोग झुक जाते और श्रद्धा के संकेत के रूप में अपनी जीभ बाहर निकालते थे.

उन्होंने महान पोटाला पैलेस में भिक्षुओं से घिरे, सर्दियों के महीनों में बौद्ध धर्म का अध्ययन किया और शासक के रूप में अपने कर्तव्यों के बारे में सीखा. गर्मियों में वो अपने पूरे घर-परिवार के साथ ग्रीष्मकालीन महल नोरबुलिंगका चले जाते थे.

युवा दलाई लामा ने अपने कर्तव्यों को गंभीरता से लिया, लेकिन उन्हें बाहरी दुनिया में भी बहुत दिलचस्पी थी. उन्होंने पोटाला महल की छत पर एक दूरबीन लगवाई थी ताकि वो शहर के जीवन को देख सकें, और जब उनका बड़ा भाई उनसे मिलने आया, तो उन्होंने उससे सभी प्रकार के विषयों पर पूछताछ की.

1946 में, दो ऑस्ट्रियाई भारत के पहाड़ों के पार दो साल चलने के बाद ल्हासा पहुंचे. उनसे मिलकर युवा शासक मोहित हुए, और उन्होंने अपने परिवार से यूरोपीय जीवन शैली के बारे में और अधिक पता लगाने को कहा. जब वो थोड़े बड़े हुए, तो उन्होंने बाहरी लोगों से मिलने की सभी परंपराओं को तोड़ा. हेनरिक हैरर उनके अच्छे दोस्त बन गए. उन्होंने दलाई लामा के लिए महल के बगीचे में एक सिनेमाघर बनवाया और वो उनके देखने के लिए फिल्में मंगवाने में कामयाब रहे. युवा राजा धीरे-धीरे अपने लोगों को अधिक आधुनिक जीवन शैली की ओर ले जाना चाहते थे. वो पहले खुद अधिक से अधिक सीखना चाहते थे. उन्होंने खुद पहले रोमन वर्णमाला सीखी और फिर हैरर ने उन्हें अंग्रेजी सिखाई.

लेकिन फिर उनके प्यारे देश पर बड़ी आपदा आई. 1950 में चीनी पीपुल्स रिपब्लिक ने तिब्बत पर आक्रमण किया और तिब्बतियों को अपना शासन स्वीकार करने के लिए मजबूर किया. 1959 में, अपने लोगों की इच्छा पर, दलाई लामा ने भारत में अन्य शरणार्थियों के साथ घोड़े पर सवार होकर सैकड़ों मील की यात्रा की. निर्वासन में रहते हुए, उन्होंने अपने कई युवा देशवासियों को वैज्ञानिक, डॉक्टर, तकनीशियन और कृषक के रूप में प्रशिक्षित होने के लिए दूसरे देशों में भेजा. उनकी मदद से, दलाई लामा को उम्मीद है कि एक दिन नए तिब्बत का निर्माण होगा.

दाएं: जब युवा दलाई लामा को ले जाया जाता तब सभी तिब्बती झुकते.